गेलैक्सी एक्सप्रैस
वेकेषन या अवकाषीय बाइबल स्कूल
विस्फोट!

नाटक

नाटक . दिन 1

कप्तान बच्चों को एक सप्ताह के एक मजेदार रोमांच के सैर के लिये स्वागत करता है जहाँ वे आकाशगंगा के इस यात्रा के दौरान परमेश्वर की महानता को देखेंगे। इसके बाद, वह अपने सहायक, रोबोट का परिचय कराता है। कप्तान उन्हें बताता है कि वे आज शनि पर यात्रा करेंगे और अंतरिक्ष स्टेशन "नेबूकोपियो" में जाएंगे जहाँ वे एक शानदार दूरबीन का उपयोग बहुत दूरी को देखने के लिए करेंगे। कप्तान यह भी बतायेगा कि प्रत्येक दिन वे परमेश्वर की महानता के बारे में सीखेंगे, एक शानदार, पुरानी, बहुत पुरानी किताब: बाइबल से। कप्तान विषय गीत का परिचय बच्चों को ऐसा चिढ़ाते हुए करें कि मुझे लगता है आप सब अंतरिक्ष की यात्रा के लिये अभी तैयार नहीं हो, तब रोबोट उन्हें गीत के साथ तैयार होने में मदद करेगा। यात्रा प्रस्थान करने के लिये गायक अगुवा मुख्य गीत को गाने में अगुवाई करें। विषय गीत गाने के बाद, आप प्रस्थान करने वाले आवाजों की ट्रेक का इस्तेमाल करते हुए यात्रा करें और यात्रा के साथ नाटक को जारी रखें।

अंतरिक्ष यान "गैलेक्सी एक्सप्रेस" का सामना उल्कापिंडों के एक समूह से होता है, और किसी उल्का से टकराने से बचने के लिए उन्हें अपनी दिशा बदलती रहनी होगी। रोबोट बहुत घबराया हुआ है और अधिक आवाज़ कर रहा है क्योंकि उसे दुर्घटनाग्रस्त होने का डर है और कप्तान उसे परमेश्वर से मदद माँगने के लिए पुकारना सिखाता है।

कप्तान दर्शकों में बैठे बच्चों को उस दिन के वाक्य, "परमेश्वर को पुकारें" को सुनने और इस वाक्य "प्रभु, मेरी मदद करो!" के साथ प्रतिक्रिया करना सिखाता है। जबकि बच्चे उछलकर खड़े होते हैं और परमेश्वर की ओर अपने हाथों को फैलाते हैं। रोबोट भी ऐसा ही करने की कई बार कोशिश करता है और विद्यार्थियों के साथ उन शब्दों और क्रियाओं को सीखता है।

अंत में वे सुरक्षित होते हैं, और वापस शनि की ओर यात्रा करते हैं। रोबोट सोचता है कि ग्रह के चारों ओर के रिंग एक आम रास्ता है जो कि तीव्र यात्रा में उनकी मदद करेगी। अब उन्हें नीचे उतरने में परेशानी हो रही है, इसलिए रोबोट को दर्शकों के साथ फिर से परमेश्वर की ओर देखकर चिल्लाना होगा: "परमेश्वर को पुकारें" और सब प्रतिक्रिया करें: "प्रभु, मेरी मदद करो!"

वे थल पर समय पर सुरक्षित बाइबल के अंतरिक्ष प्रशिक्षण के लिए उतरते हैं! (दर्शकों के साथ एक मजेदार उतराव के बाद, मुख्य पाठ को शुरू करें)

नाटक . दिन 2

आज रोबोट को कप्तान से प्रतिक्रिया करने में बहुत परेशानी होगी, और ऐसा दिखाना होगा जैसे कि उसकी सुनने की क्षमता खो गई हो। कप्तान रोबोट को अभिनंदन करते हुए और यान की उड़ान षुरू करने की कोशिश करते हुए नाटक को षुरू करें, लेकिन रोबोट बिल्कुल ध्यान नहीं देता। जबकि कप्तान रोबोट को सिखाता है और उससे संवाद करने के लिए संघर्ष कर रहा है तब दर्शक उस दिन के वाक्य के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं:

जब अगुवा चिल्लाता है, "परमेष्वर से प्रतिक्रिया करें", तब बच्चे प्रतिक्रिया करेंगे: पहले अपने हाथ को कान पर लगाते हुए, फिर एक सैनिक की तरह खड़े होते हुए कहेंगे, "हाँ प्रभु, मैं यहाँ हूँ"।

कप्तान बताता है कि आज हम आनंटरेस (Antares) की सैर करेंगे, जो आकाष में के बड़े तारों में से 15वां तारा है, और जो अविश्वसनीय रूप से बड़ा है! आज वे अंतरिक्ष स्टेशन के "बड़े तारों" में उतरेंगे और देखेंगे कि हमारा ब्रह्मांड कितना विषाल है!

(विशय गीत गाओ, फिर ट्रैक को बजाते हुए उड़ान भरें।)

यात्रा करते समय, कप्तान रोबोट से कहता है कि उन्हें आकाष गंगा (जैसे कि वह एक आम रास्ता हो) से होते हुए जाना होगा ताकि वे अपने मुकाम पर सही से पहुँच सके। रोबोट को सही ढंग से सुनाई नहीं देता, और आकाष गंगा का वह प्रवेश उन से छूट जाता है, और उन्हें अगले एक रास्ते से जाना पड़ता है। कप्तान रोबोट में तेल डालता है, और वह कप्तान से सही तरह से प्रतिक्रिया करना शुरू करता है। (अपने मुख्य वाक्य का कई बार प्रयोग करें: "परमेष्वर से प्रतिक्रिया करें" और "हाँ प्रभु, मैं यहाँ हूँ")

वे थल पर समय पर सुरक्षित बाइबल के अंतरिक्ष प्रशिक्षण के लिए उतरते हैं! (दर्शकों के साथ एक मजेदार उतराव के बाद, मुख्य पाठ को शुरू करें)

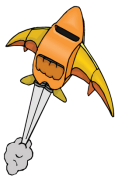

नाटक . दिन 3

आज रोबोट में फिर से खराबी आती है क्योंकि कल रात उसे अच्छी नींद नहीं मिली, और अब वह एक झपकी लेना चाहता है। हर बार जब भी कप्तान उससे उड़ान शुरू करने के लिये कुछ भी आज्ञा देता है, वह रोबोट उसका पालन ही नहीं करता, और वह ऊबा हुआ दिखता है। जब वे संघर्ष कर रहे होते हैं क्योंकि रोबोट कुछ भी मान नहीं रहा, तब उस समय दर्शकों को उस दिन का वाक्य सिखायें: "परमेश्वर की आज्ञा मानें", प्रतिक्रिया के साथ। बच्चे कूदना और आगे बढ़ना सीखते हैं और कहें "मुझे बढ़ना होगा", और फिर किसी और के साथ अपनी सीट को बदलें! आज के दिन के पाठ का विचार यह है कि बच्चे लगातार अपने सीटों को बदलेंगे, अपने पैर की उंगलियों पर रखते हुए और शब्द को सुनते हुए : "परमेश्वर की आज्ञा मानें" ।

रोबोट शुरुआत में सही से काम नहीं करता और बात करने से अधिक तो शोर मचाता है, लेकिन कप्तान रोबोट को जगाने के लिए एक बड़ा कोका कोला बहुत सारे कॉफैन (caffeine) के साथ देता है। (पोस्टर बोर्ड या गत्ते से एक बड़ा कोक या कॉफैन को बनायें) अब वह रोबोट एक अंतरिक्ष यान, या एक धूमकेतु, या प्रकाश की गति से भी तेजी से सभी जगह पर घूम रहा है!

विषय गीत को गायें, और अंतरिक्ष में उड़ान भरें। इस जगह पर रोबोट को लगता है कि उसे नहीं पता कि वे कहाँ जा रहे हैं, इसलिए कप्तान उसे बताता है। वे सबसे निकटतम तारे के पास जा रहे हैं और अंतरिक्ष स्टेशन "वेलोसिस्टार" (Velocistar) पर उतरेंगे जहाँ वे गति के बारे में सीखेंगे। (उस पूरे समय के दौरान रोबोट सभी जगह पर घूम रहा होता है।)

उन्हें जल्दी से धरती पर उतारें ताकि पूरे हफ्ते की सबसे छोटी यात्रा यह ही हो, फिर वापस पाठ में लौट आयें। (क्योंकि हम सबसे निकटतम तारे का दौरा कर रहे हैं।) नीचे उतरने पर रोबोट पागलों की तरह चारों ओर भागेगा, और कप्तान उसका पीछा करते हुए वे दोनों बाहर निकल जाएंगे।

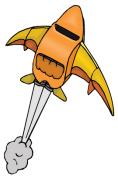

नाटक . दिन 4

आज के वी. बी. एस की शुरूआत कप्तान और रोबोट के लड़ाई से करें कि वे आज कहाँ की सैर करेंगे। कप्तान कहेगा कि आज वे चाँद की सैर करेंगे, लेकिन रोबोट किसी उपग्रह के अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना चाहता है। जैसे वे उड़ान शुरू करने की तैयारी करते हैं तो उधर वे दोनों आगे-पीछे लड़ते रहेंगे। लड़ाई को जारी रखते हुए उनके बीच में गाना चलायें ताकि लड़ाई बहुत लंबी लगे। (एक गाना गायें, और उस बीच वे मंच में इधर-उधर लड़ते और भागते हुए दिखे, आदि।)

कप्तान रोबोट को आज के पाठ का महत्वपूर्ण बिंदु और उसकी प्रतिक्रिया सिखाता है: जब अगुवा कहेगा "परमेश्वर पर आशा रखें", तब बच्चों को कूदना और मुक्केबाजी करते हुए कहना होगा "मैं तैयार हूँ", फिर अपने हाथों को मिलायें और नीचे बैठते हुए कहें, "लेकिन मुझे इंतजार करना होगा।"

रोबोट को समझ आता है कि वह गलत है और कप्तान से माफी माँगता है। कप्तान भी मानता है कि उपग्रह भी एक अच्छा विचार है, और कहता है कि अगर रोबोट चाहें तो कल वे उधर जा सकते हैं, क्योंकि अंतरिक्ष यात्री पहले से ही आज का पाठ सीखने के लिए चांद पर इंतजार कर रहे हैं। कप्तान और रोबोट उस समाधान से बहुत ही खुश है-आज चंद्रमा और कल उपग्रह। इस कारण वे एक दूसरे को गले लगाते हैं और चंद्रमा के सैर के लिये उड़ान भरने की तैयारी करते हैं।

उड़ान शुरू करने से पहले, रोबोट अपने चाँद में पहनने वाले जूते को चारों ओर ढूंढता है।

कप्तान सबको बताता है कि कैसे हम "स्टेशन पनासा" पर उतरेंगे और अंतरिक्ष यान और इंतजार करने के बारे में सीखेंगे। (यात्रा को जल्दी आरंभ करें और चाँद में पाठ को सीखने के लिये उतरे।)

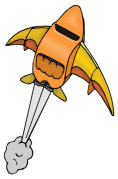

नाटक . दिन 5

आज वह रोबोट ऐसा दिखा रहा है जैसे कि वह दुनिया का सबसे अच्छा रोबोट है, या यहाँ तक कि ब्रह्मांड का, और वह चाहता है कि कप्तान उसकी तारीफ करें कि वह कितना अनोखा है। कप्तान परमेश्वर की ओर इशारा करते हुए यह कहने की कोशिश करता है कि केवल परमेश्वर ही अनोखा है, न की लोग, लेकिन रोबोट को यकीन था कि वह एकदम सही है।

रोबोट बहुत उत्साहित है कि वह उस उपग्रह में जाएगा जिसमें उसे कल जाना की इच्छा थी। और वह ऐसा दिखाता है कि वहाँ एक महान फिल्म दिखाई जाएगी! वे एक तारे के विस्फोट के साक्षी बनेंगे जिसे सुपरनोवा कहते हैं!

वे जल्दी से अंतरिक्ष स्टेशन "एक्सप्लोटेलाइट" (Explotelite)के उड़ान के लिये तैयार होते हैं जो कि एक उपग्रह है। आप अपने नाटक को आसपास करते हुए जारी रखें, यह दिखाते हुए कि रोबोट सोचता है कि वह बिल्कुल सही काम कर रहा है, लेकिन वास्तव में वह गलतियों पर गलतियाँ किये जा रहा है। उदाहरण के लिये: जहाज उड़ाने के समय, रोबोट मस्ती करता है कि वह हाथों को छोड़ कर उड़ा सकता है, और फिर अपने जूतों को बाँधने के लिये मुड़ता है। जबकि वह अपना ध्यान उस पर से हटाता है, तब कप्तान को एकदम से स्टीयरिंग को पकड़ना पड़ता है ताकि वह उस धूमकेतु के दुर्घटना से सबको बचा सके जो बिल्कुल पास से गुजरा था!

थोड़ी देर के लिए अपनी गलतियों को नहीं देखने के कारण, रोबोट एक बड़ी गलती करता है और उसे बुरा लगता है।

कप्तान आज के वाक्य को कहता है: "परमेश्वर की आराधना करें", और यह कि परमेश्वर की आराधना के बारे में हम कैसे बात कर सकते हैं, अपनी नहीं! कप्तान बच्चों और रोबोट को सिखाता है कि उसके चिल्लाने पर वे प्रतिक्रिया करें, "मैं आपकी आराधना करता हूँ" कहते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर हवा में लहराये।

जैसे ही वे उपग्रह के पास पहुँचते हैं, कप्तान को याद आता है कि वह सही दिशा जानने के लिए मानचित्र (Google Maps) लेकर आना भूल गया है। उसे नहीं पता कि उपग्रह में कैसे जाना है। वे कुछ तो अनुमान लगाते हैं, थोड़ा प्रार्थना करते हैं, दायें मुड़ते हैं, बायें मुडते हैं, और अंत में कैसे तो करके वे सही अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच जाते हैं! कप्तान और रोबोट दोनों ही ध्यान देते हैं कि केवल परमेश्वर ही ने उन्हें सही रास्ता खोजने में मदद की है और वे एक साथ चिल्लाते हैं "मैं आपकी आराधना करता हूँ" अपने दोनों हाथों को ऊपर हवा में लहराते हुए।

नीचे उतरने के बाद, वे मंच से बाहर निकलते हैं, और आज एक सुपरनोवा के गवाह बनने से काफी रोमांचित थे।